MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

जालौन में बवाल IAS रिंकू सिंह और ब्लॉक प्रमुख के बीच हाथापाई!

विषय सूची (Table of Contents):

>> जालौन विवाद आईएएस रिंकू सिंह राही और ब्लॉक प्रमुख के बीच तीखी झड़प...
>> प्रशासन और जनप्रतिनिधि के बीच टकराव...
>> 23 जून की घटना   बेतवा आइस एंड कोल्ड स्टोरेज में कैसे शुरू हुआ विवाद?...
>> बातचीत से शुरू होकर हाथापाई तक पहुंचा मामला...
>> थप्पड़ मारने का आरोप सोशल मीडिया पर वायरल हुआ धक्का-मुक्की का CCTV फुटेज...
>> फुटेज में कैद हुई पूरी सच्चाई...
>> ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन का फूटा गुस्सा, अफसरशाही के खिलाफ खोला मोर्चा...
>> जनप्रतिनिधियों का सम्मान और अधिकार...
>> जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय से लिखित शिकायत और सौंपे गए अहम सुबूत...
>> निष्पक्ष जांच की उठी मांग...
>> मामले की गंभीरता डीएम ने किया 5 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच कमेटी का गठन...
>> कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार...
>> एसडीएम रिंकू सिंह राही की सफाई   जांच को प्रभावित करने की हो रही कोशिश ...
>> अधिकारी का बेबाक अंदाज...
>> आगे क्या जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

जालौन विवाद: आईएएस रिंकू सिंह राही और ब्लॉक प्रमुख के बीच ती

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले से एक बड़ी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। अपनी अनोखी कार्यशैली के लिए हमेशा सुर्खियों में रहने वाले आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही एक बार फिर बड़े विवाद में फंस गए हैं।latest update 2026के अनुसार, इस बार उनका सीधा टकराव एक स्थानीय जनप्रतिनिधि से हुआ है।

वर्तमान में जालौन में उपजिलाधिकारी (SDM) के पद पर तैनात रिंकू सिंह राही का विवाद स्थानीय ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन के साथ हुआ है। यह मामला केवल तीखी बहस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नौबत हाथापाई और धक्का-मुक्की तक पहुंच गई।

प्रशासन और जनप्रतिनिधि के बीच टकराव

प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय नेताओं के बीच अक्सर वैचारिक मतभेद देखने को मिलते हैं, लेकिन जालौन का यह मामला काफी गंभीर है। इस घटना ने पूरे जिले की राजनीति और प्रशासनिक हलके में हलचल मचा दी है। लोग इस घटना केstatusऔर आगे की कार्रवाई पर करीब से नजर बनाए हुए हैं।

इस पूरे मामले का एक लाइव सीसीटीवी (CCTV) फुटेज भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद से ही दोनों पक्षों की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। आइए इस पूरे विवाद को विस्तार से समझते हैं।

23 जून की घटना: बेतवा आइस एंड कोल्ड स्टोरेज में कैसे शुरू

यह पूरी घटना 23 जून को घटित हुई, जब प्रशासन की टीम रूटीन चेकिंग के लिए निकली थी। एसडीएम रिंकू सिंह अपने दल-बल के साथ जालौन क्षेत्र में स्थित बेतवा आइस एंड कोल्ड स्टोरेज का औचक निरीक्षण करने पहुंचे थे।

जानकारी के मुताबिक, जिस वक्त एसडीएम वहां निरीक्षण कर रहे थे, ठीक उसी समय वहां के स्थानीय ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन भी मौके पर मौजूद थे। किसी विभागीय या स्थानीय मुद्दे को लेकर दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जिसने जल्द ही एक तीखी बहस का रूप ले लिया।

बातचीत से शुरू होकर हाथापाई तक पहुंचा मामला

प्रत्यक्षदर्शियों और वायरल वीडियो के अनुसार, शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच केवल जुबानी जंग चल रही थी। लेकिन देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और विवाद इतना बढ़ गया कि एसडीएम रिंकू सिंह राही अपना आपा खो बैठे।

यह भी पढ़ें:बड़ा ऐलान! किसानों को मिलेगा सीधा 6000, कम ब्याज पर कर्ज और बीमा... जानें 7 सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ, कहीं छूट न जाए मौका!

थप्पड़ मारने का आरोप: सोशल मीडिया पर वायरल हुआ धक्का-मुक्की

इस विवाद में सबसे गंभीर आरोप ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन की तरफ से लगाया गया है। उनका स्पष्ट कहना है कि एसडीएम रिंकू सिंह ने उन्हें सरेआम थप्पड़ मारने की कोशिश की। यह आरोप बेहद संगीन है क्योंकि एक आईएएस अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधि पर हाथ उठाना बड़े नियम उल्लंघन को दर्शाता है।

ब्लॉक प्रमुख ने मीडिया को बताया कि एसडीएम का थप्पड़ उनके गाल पर तो नहीं लगा, लेकिन बचाव करते समय उनके हाथ पर जरूर लगा। इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि वहां लगे सीसीटीवी कैमरों ने भी कर दी है, जिसकी वीडियो क्लिप अब सार्वजनिक हो चुकी है।

फुटेज में कैद हुई पूरी सच्चाई

>> वायरल सीसीटीवी फुटेज में अधिकारी और जनप्रतिनिधि के बीच स्पष्ट रूप से धक्का-मुक्की देखी जा सकती है।

>> वीडियो में साफ दिख रहा है कि किस तरह दोनों पक्षों के बीच हाथापाई जैसी स्थिति पैदा हो गई।

>> इस वीडियो की एकPDFरिपोर्ट और स्क्रीनशॉट्स कीlistभी अधिकारियों द्वारा तैयार की जा रही है।

ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन का फूटा गुस्सा, अफसरशाही के खिला

इस सरेआम हुई बेइज्जती और धक्का-मुक्की के बाद ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन और उनके समर्थकों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। घटना के तुरंत बाद उनके समर्थकों ने मौके पर हंगामा भी किया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

अपने सम्मान को ठेस पहुंचने के बाद ब्लॉक प्रमुख शांत नहीं बैठे। उन्होंने तुरंत एक प्रेस वार्ता (Press Conference) बुलाई और मीडिया के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखा। उन्होंने अफसरशाही (Bureaucracy) की मनमानी के खिलाफ सीधे तौर पर मोर्चा खोल दिया है।

जनप्रतिनिधियों का सम्मान और अधिकार

प्रेस वार्ता के दौरान रामराजा निरंजन ने कहा कि अगर एक चुने हुए जनप्रतिनिधि के साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है, तो आम जनता की क्या स्थिति होगी। उन्होंने इस मामले में उच्च अधिकारियों से सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यह भी पढ़ें:5 सरकारी योजनाएं श्रमिकों की ज़िंदगी को बदलनेगी! तुरी रोल कर लें

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय से लिखित शिकायत और सौंपे गए अह

मामले को तूल पकड़ता देख ब्लॉक प्रमुख ने कानूनी और प्रशासनिक रास्ता अपनाने का फैसला किया। उन्होंने जालौन के मौजूदा जिलाधिकारी (DM) राजेश कुमार पांडेय से मुलाकात कर इस पूरे प्रकरण की विस्तृत लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

अपनी शिकायत को मजबूत बनाने के लिए रामराजा निरंजन ने केवल मौखिक आरोप नहीं लगाए हैं। उन्होंने शिकायत पत्र के साथ अहम साक्ष्य (Evidence) के रूप में उस सीसीटीवी फुटेज की कॉपी भी डीएम को सौंप दी है, जिसमें धक्का-मुक्की साफ़ दिखाई दे रही है।

निष्पक्ष जांच की उठी मांग

लिखित शिकायत मिलने के बाद जिला प्रशासन में भी हड़कंप मच गया है। ब्लॉक प्रमुख ने मांग की है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारी के खिलाफ तुरंत सस्पेंशन की कार्रवाई की जाए। आम जनता भी अब इस मामले काstatus checkजानने के लिए उत्सुक है।

मामले की गंभीरता: डीएम ने किया 5 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच कमे

जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने इस पूरी घटना को बेहद गंभीरता से लिया है। एक आईएएस अधिकारी और ब्लॉक प्रमुख के बीच हुए इस टकराव से जिले की कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता था, इसलिए डीएम ने त्वरित कार्रवाई की है।

डीएम ने मामले की तह तक जाने और दोनों पक्षों के दावों की सच्चाई परखने के लिए तत्काल प्रभाव से एक 5 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच कमेटी (High-Level Investigation Committee) का गठन कर दिया है। यह कमेटी निष्पक्ष रूप से पूरे मामले की जांच करेगी।

कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार

जिलाधिकारी का साफ तौर पर कहना है कि केवल आरोपों या एक वीडियो के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जांच कमेटी घटनास्थल का मुआयना करेगी, गवाहों के बयान दर्ज करेगी और सभी सबूतों का विश्लेषण करेगी।

यह भी पढ़ें:पीएम किसान, आयुष्मान और आवास योजना का लाभ? 17-18 जून खास(यदि आप इन योजनाओं के लिए पात्र हैं, तो तुरंतapply onlineकरें।)

एसडीएम रिंकू सिंह राही की सफाई: जांच को प्रभावित करने की हो

इस पूरे विवाद में जहां एक तरफ ब्लॉक प्रमुख आक्रामक नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एसडीएम रिंकू सिंह राही ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने फोन पर मीडिया से बातचीत करते हुए अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

एसडीएम रिंकू सिंह का कहना है कि यह पूरा ड्रामा उन्हें उनके काम से रोकने और उनके द्वारा की जा रही एक महत्वपूर्ण जांच को प्रभावित (Influence) करने के मकसद से रचा गया है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग प्रशासन की सख्ती से बौखलाए हुए हैं।

अधिकारी का बेबाक अंदाज

>> एसडीएम राही ने कहा कि निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोई गलत व्यवहार नहीं किया, बल्कि वे केवल अपनी ड्यूटी कर रहे थे।

>> उनका आरोप है कि स्थानीय नेता बेवजह दबाव बनाने की रणनीति अपना रहे हैं।

>> उन्होंने जांच कमेटी पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि सच्चाई जल्द ही सबके सामने आ जाएगी।

आगे क्या: जांच कमेटी की रिपोर्ट के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

फिलहाल, जालौन का यह हाई-प्रोफाइल मामला 5 सदस्यीय जांच कमेटी के पाले में है। पूरे जिले की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कमेटी अपनी रिपोर्ट में किसे क्लीन चिट देती है और किसे दोषी मानती है। जांच की रिपोर्ट आने में कुछ समय लग सकता है।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने स्पष्ट किया है कि जांच कमेटी की फाइनल रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होगी। उसी रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कठोर वैधानिक और कानूनी कार्रवाई (Legal Action) सुनिश्चित की जाएगी। तब तक के लिए जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

जनता के सवाल (FAQs)

यह विवाद उत्तर प्रदेश में तैनात आईएएस और जालौन के एसडीएम रिंकू सिंह राही और स्थानीय ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन के बीच हुआ है।

यह पूरी घटना 23 जून को सामने आई है, जब एसडीएम निरीक्षण के लिए एक कोल्ड स्टोरेज पहुंचे थे।

यह घटना जालौन के बेतवा आइस एंड कोल्ड स्टोरेज में हुई, जहां एसडीएम अपनी टीम के साथ औचक निरीक्षण करने गए थे।

ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन का आरोप है कि एसडीएम रिंकू सिंह ने अपना आपा खोकर उन्हें सरेआम थप्पड़ मारने का प्रयास किया और उनके साथ हाथापाई की।

हां, इस घटना का लाइव सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे ब्लॉक प्रमुख ने अहम साक्ष्य के रूप में डीएम को सौंपा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जालौन के डीएम राजेश कुमार पांडेय ने मामले की जांच के लिए 5 सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच कमेटी का गठन कर दिया है।

एसडीएम ने कहा है कि यह सारी गतिविधियां उन्हें डराने और उनके द्वारा की जा रही एक विभागीय जांच को प्रभावित करने के मकसद से जानबूझकर की जा रही हैं।

5 सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट सीधे जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी। कोई भी नई अपडेट आते ही प्रशासन द्वारा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

डीएम ने स्पष्ट किया है कि कमेटी की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपों की पुष्टि होगी और उसी रिपोर्ट के आधार पर निष्पक्ष वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।